SAARC हेतु संशोधित मुद्रा विनिमय ढाँचा

स्रोत: बिज़िनेस लाइन

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने **वर्ष 2024 से 2027** की अवधि के लिये SAARC (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) देशों के संदर्भ में मुद्रा विनिमय हेतु एक संशोधित ढाँचा लागू करने का निर्णय लिया है।

मुद्रा विनिमय ढाँचा:

- **परिचय:**
  - करेंसी स्वैप अथवा मुद्रा विनिमय का आशय तरलता बनाए रखने के क्रम में दो देशों के बीच पूर्व निर्धारित नियमों एवं शर्तों के साथ मुद्राओं के आदान-प्रदान हेतु किया गया समझौता या अनुबंध है।
  - केंद्रीय बैंक और सरकारों द्वारा **अल्पकालिक विदेशी मुद्रा तरलता आवश्यकताओं** को पूरा करने के लिये अथवा **भुगतान संतुलन संकट से बचने के लिये** पर्याप्त विदेशी मुद्रा सुनिश्चित करने के क्रम में विदेशी समकक्षों के साथ मुद्रा विनिमय किया जाता है।
    - इन विनिमय समझौतों में **विनिमय दर** या अन्य बाज़ार संबंधी जोखिमों का कोई खतरा नहीं रहता है क्योंकि लेन-देन की शर्तें अग्रिम रूप से निर्धारित होती हैं।
- **SAARC के लिये स्वैप सुविधाओं हेतु RBI की रूपरेखा:**
  - SAARC मुद्रा विनिमय सुविधा पहली बार 15 नवंबर, 2012 को लागू हुई थी, जिसका उद्देश्य SAARC देशों की **अल्पकालिक विदेशी मुद्रा तरलता** आवश्यकताओं या भुगतान संतुलन संकटों के लिये दीर्घकालिक व्यवस्था होने तक वित्तपोषण की बैकस्टॉप लाइन प्रदान करना था।
  - RBI **2 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की समग्र निधि के भीतर स्वैप व्यवस्था की पेशकश कर सकता है।
  - स्वैप **अमेरिकी डॉलर, यूरो या भारतीय रुपए में किया** जा सकता है। इस ढाँचे में **भारतीय रुपए** में स्वैप के लिये कुछ रियायतें दी गई हैं।
  - यह सुविधा **सभी SAARC सदस्य देशों को उपलब्ध होगी**, बशर्ते वे द्विपक्षीय स्वैप समझौतों पर हस्ताक्षर करें।
- **नए ढाँचे में परिवर्तन:**
  - वर्ष 2024-27 की रूपरेखा के अंतर्गत, भारतीय रुपए में स्वैप समर्थन के लिये विभिन्न रियायतों के साथ एक **अलग INR (भारतीय रुपया) स्वैप विंडो शुरू की** गई है।
    - **रुपया समर्थन की कुल राशि 250 अरब रुपए है।**
  - RBI **2 बिलियन अमेरिकी डॉलर** की समग्र निधि के साथ एक अलग अमेरिकी **डॉलर/यूरो स्वैप** विंडो के तहत **अमेरिकी डॉलर और यूरो में स्वैप व्यवस्था** की पेशकश जारी रखेगा।
- **अन्य द्विपक्षीय मुद्रा स्वैप समझौते:**
  - भारत-जापान
  - भारत-श्रीलंका

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC)

- **स्थापना:** सार्क की स्थापना **8 दिसंबर 1985** को **ढाका (बांग्लादेश)** में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर के साथ हुई थी।
- **सदस्य देश:** अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान तथा श्रीलंका हैं।
- **सचिवालय:** काठमांडू,(नेपाल)
- **उद्देश्य: दक्षिण एशिया के लोगों के कल्याण** को बढ़ावा देना, उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाना, तथा अन्य बातों के अतिरिक्त आर्थिक विकास में तीव्रता लाना।

सार्क

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन

- **सदस्य :** 8
- **स्थापनाः** ढाका में सार्क चार्टर पर हस्ताक्षर द्वारा (दिसंबर 1985)
- **मुख्यालयः** काठमांडू, नेपाल
- **सार्क के 9 स्थायी पर्यवेक्षकः** ऑस्ट्रेलिया, चीन, यूरोपीय संघ, इरान, जापान, दक्षिण कोरिया, मॉरीशस, म्याँमार और अमेरिका
- विश्व के क्षेत्रफल का 3%, विश्व की जनसंख्या का 21% और वैश्विक अर्थव्यवस्था का 3.8% शामिल है।
- **सार्क के अंतर्गत समझौतेः** SAPTA, SAFTA, SATIS, SAARC यूनिवर्सिटी

अफगानिस्तान

- यह तेल और खनिज संपन्न मध्य एशियाई गणराज्यों के लिये **भारत का प्रवेश द्वार** है।
- अफगानिस्तान में अफगानिस्तान-भारत मैत्री बाँध (सलमा बाँध) है।
- वर्ष 2002 से 2021 तक भारत ने अफगानिस्तान में विकास सहायता में 4 बिलियन अमेरिकी डॉलर खर्च किये, हाई-विजिबिलिटी प्रोजेक्ट्स जैसे राजमार्ग, अस्पताल, संसद भवन, ग्रामीण स्कूल और विद्युत ट्रांसमिशन लाइनों का निर्माण किया।
- अफगानिस्तान का आतंकवाद के लिये सुरक्षित पनाहगाह बनना भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये सीधा खतरा है।

नेपाल

- 5 भारतीय राज्यों (उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और बिहार) के साथ सीमा साझा करता है।
- भारत के अयोध्या और नेपाल के जनकपुर को जोड़ने वाली भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन।
- **प्रमुख मुद्देः** प्रादेशिक विवाद (कालापानी, लिंपियाधुरा और लिपुलेख)।
- **सैन्य अभ्यासः** सूर्य किरण (सेना)।

भूटान

- भारत भूटान का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है।
- **पारस्परिक रूप से लाभकारी जलविद्युत सहयोगः** मंगदेछु, खोलोंगछु, चूखा जलविद्युत परियोजनाएँ।
- ग्यालसुंग परियोजना के लिये भारत की अनुदान सहायता।
- भारत के राष्ट्रीय ज्ञान नेटवर्क के साथ भूटान के ड्रुकरेन (DrukREN) का एकीकरण।

पाकिस्तान

- भारत-पाक राजनयिक संबंध काफी सीमित हैं और समय-समय पर संबंधों को सुधारने के प्रयास अक्सर असफल होते रहते हैं।
- पुलवामा आतंकवादी **हमले** (2019) के बाद भारत ने पाकिस्तान के **मोस्ट फेवर्ड नेशन** (MFN) का दर्जा रद्द कर दिया।
- सिंधु जल संधि 1960 को अक्सर दक्षिण एशिया में सबसे सफल अंतर्राष्ट्रीय संधियों में से एक के रूप में उद्धृत किया जाता है।
- प्रमुख मुद्दे-
  - सीमा पार आतंकवाद, कश्मीर मुद्दा, CPEC भारत की संप्रभुता को प्रभावित कर रहा है

बांग्लादेश

- भारत के साथ **4,096 किमी** से अधिक की **सबसे लंबी सीमा** साझा करता है।
- दक्षिण एशिया में **सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार**।
- **जल बँटवारे संबंधी समझौतेः** कुशियारा नदी (2022), गंगा जल संधि (1996)।
- **प्रमुख मुद्देः** तीस्ता नदी जल विवाद।
- **सैन्य अभ्यासः** संप्रीति-X (सैन्य प्रशिक्षण), बोंगोसागर (नौसेना)।

मालदीव

- भारत मालदीव का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है।
- **भारत के साथ अभ्यास** - एकुवेरिन, दोस्ती, एकता और ऑपरेशन शील्ड।
- एक भारतीय कंपनी द्वारा **ग्रेटर माले कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट** मालदीव में अब तक की सबसे बड़ी इन्फ्रा परियोजना है।
- प्रमुख मुद्दे-
  - मालदीव चीन के मोतियों की माला में एक महत्वपूर्ण 'मोती' है।
  - मालदीव के लोग पाकिस्तान स्थित आतंकवादी गुटों की ओर बढ़ रहे हैं।
  - भारत को दबंग और बड़े भाई के रूप में पेश किया जा रहा है - **'इंडिया आउट' अभियान**।

श्रीलंका

- भारत श्रीलंका का तीसरा सबसे बड़ा निर्यात गंतव्य है।
- भारत आईएमएफ में श्रीलंका के ऋण पुनर्गठन कार्यक्रम का आधिकारिक रूप से समर्थन करने वाला पहला देश है।
- **प्रमुख मुद्दाः** समुद्री सीमा पार कर रहे मछुआरे।
- **महत्वपूर्ण अभ्यासः** मित्र शक्ति (सेना), SLINEX (नौसेना)।

Drishti IAS

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

???????????:

प्रश्न. भारत के संदर्भ में, मुद्रा संकट के जोखिम को कम करने में निम्नलिखित में से किस/किन कारक/कारकों का योगदान है? (2019)

1. भारत के IT सेक्टर के विदेशी मुद्रा अर्जन का
2. सरकारी व्यय के बढ़ने का
3. विदेशस्थ भारतीयों द्वारा भेजे गए धन का

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

??????:

प्रश्न. "भारत में बढ़ते हुए सीमापारीय आतंकी हमले और अनेक सदस्य-राज्यों के आंतरिक मामलों में पाकिस्तान द्वारा बढ़ता हुआ हस्तक्षेप सार्क (दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन) के भविष्य के लिये सहायक नहीं है।" उपयुक्त उदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिये।

(2016)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/revised-currency-swap-framework-for-saarc